

DPN 6579

Title : चाणक्य सार संग्रह CĀṆAKYA SĀRA SAṆGRAHA

Run. No. 7304

Cat. No.

Micro. No.

Subject *Ethics*

Religion : Hindu / Bauddha

Language : Skt. / New. / Nep. / Skt. [✓] New. / Maith. - New. / New. - Nep. /

Size in cms. 21.7 x 7.5

Folios 37 Lines (in a page) 7
Missing 1-14, 16-19, 22-26, 31, 50, 54, 60,
Chapt. / act /

Compl. / Incompl. [✓]

Author / translator

Scribe / donor

Date: NS / SS / VS / KS

Ruler / place

Script : New. [✓] / Dev. / Bhuj. / Ran. /

Illus. :

Material : palmleaf / paper [✓] / thyasaphu /

Condition : fine / damaged by worms, rats, water / *unnecessary cutting*

Beginning, colophon, post-colophon :

P. T. O.

यः किञ्चित् कुरुते भृत्यः शुभं वा यदि वा शुभं ।

तेन संवर्धते राजा सुकृते दुःकृते राये ॥ ७० ॥

गोहसेनः भिडनं माभिडनं किञ्चित्पातः ओहसेन सुखनं दुःखनंः
राजामा वध्य मायुओः ॥ ७० ॥ (Folio 15)

15

10

5

0

CMTS.

5

10

15

20

2.5

कुरुक्षेत्राजलपाठो गुनमइयनि कालकमाल ॥ ७८ ॥ यश्च किंविच्छूतं नृणं तस्य शुभं
 वायदिवामुलं ॥ ननसंवर्द्धनं गजसूक्तं नृणामपि ॥ ७९ ॥ त्वं कुरुक्षेत्रं लिखनं मलि
 छनं किंविच्छूतं ॥ अत्र मनुस्मृत्यं नृणामपि ॥ ८० ॥ यथाहं म
 पत्रिकुनं कायनाठनं नृणामपि ॥ ८१ ॥ तथाहं नृणामपि ॥ ८२ ॥ यथाहं म
 जालं पत्रिकायाय दायं अत्र मनुस्मृत्यं नृणामपि ॥ ८३ ॥ यथाहं म
 यं कुरुक्षेत्रं मीलनं यं कुरुक्षेत्रं ॥ ८४ ॥ यथाहं म नृणामपि ॥ ८५ ॥ यथाहं म
 ॥ आपत्कात्रे नथामिदं नृणामपि ॥ ८६ ॥ यथाहं म नृणामपि ॥ ८७ ॥ यथाहं म

15

10

नयाऽस्वयमासा रां स्वयं ३४ समिपस्वयः कायदासः सुखिदनिउसधु
निषका नम विवेकया दस्वया ॥ १२ ॥ हृष्या वहविधा नाऊ नरु माधममध्वमा ॥
ननिया कायथा याग्वा छि विधध वकर्म ॥ १३ ॥ हसहा नाऊ वाक नरु लंगडी ना
प्रका नयाइः कडाजि कंदधु जि कच जि कधना थं स्वजि यामं स्वना जि का सं नय जि द
क्राम ली द का स्वया डी या डी रु क या य ॥ १३ ॥ जालसं मुखं वं क नं न वं य स नि नं
नं ॥ ज सं रु रु म रु कं व य ऊ रु यं न ना धियं ॥ १४ ॥ या जान रु ल सां थ धि द क वा
क न गाल न माल ग धी द क था स मा जाला मी वा डी क ध क न क क क क गु मा ल

१५

5

॥ १३ ॥ हा कं राजन म कि ध न मि सु कि र्व न हियः विरुधा न न म कि ध न ल्य स न प स ४ रु
लं ॥ १४ ॥ हा रु या व ल र वा जान प्र सा वा व न न ति प ति न य द न या व ल स प ह न प या व ल
त्र या लं या द र ति २ न य या रु ल म ड ॥ १४ ॥ वाल च व व न ध र्म म नि र्थं स्व लू जी वि नं
॥ रु लाना म पि प कानां भा ध नं प न नं रु व न ॥ १५ ॥ वाल धं नि धं ध र्म सा य मा ल प्रा न
ध या गु नि ध य नं न नि र्थ रु ल रु ल या ना द मि थं न ना २ नं ता स डी द ध न न ध र्म या
य गु न ना न मा ल ॥ १५ ॥ स दं रु र्व ह ना ध र्म का र नं व ह नं न य ॥ रु दं व ह नं श नं प
मा द न ह नं ध र्म ॥ १६ ॥ गु मा न न या न ध र्म हा न रु लं रु र्व का ना न य द प रु र्व क

कृष्णोद्विचक्रन॥ स्रुष्यदिविपूस्वर्वा नउयधरुविष्यति॥ २८॥ धन
 ना २० गुणवक्रकदमडा क्रमनदकोम २० गुणनयायकृतं वक्रविचक्र
 नक्रनधनीयतागुणसवा धधक्रसुनानकनलेरुयिडामखा॥ २९॥
 जम्बुकोशमनूष्याधमनू संतफधतसा॥ यनस्यनोयका ननपंसारुव
 तिवियहं॥ २९॥ गवेलसंगमानमनूष्यपतिमनायक्यानसाधुमनयाविग
 रुयुडोःथि २ उपकानयातमानं लायमालिडीः धननगमानगोसगयायमन
 डा॥ २९॥ एकादनपृथग्जीवाडिवनंतिमहाधुव॥ रुसहिनादिनस्यंतिरु

२९

नृधुवपक्रिष॥ ३०॥ वायुक्रुवलकुलनिखलगलपातव्यागलधथ
 रुपनिरेवृधुधायामगलधमंगलयामतमिलयमशुयाडोनासइलं
 धननमतमिलयशुयमालसनि क्रुयुडो॥ ३०॥ वसुनसमिकुर्वीत
 यनकनापिसंहति॥ मक्रवाननरगोपुके ४ पूनादभनथीऊथ॥ ३१॥
 सनानं वक्रसंनहनययायथसइ ४ खमशायदासवलकायमालगथ
 धालसाधुथकालसनामवंदनकदाथापनाक्रमकानेमालधनन
 मक्रनासइयुडो॥ ३१॥ इक्रनंसागनंतीधिसमयंवाननावलं॥ रुस

15

10

5

पूर्वनामनसु वंद्य सागन ॥ ३१ ॥ अथ कायमर्मा अथ सागनसमूहस्य
 द्वादशावदानसूक्तानि धिथिं वलपिकाशो अथ कपूया अथ कृदा अथ
 द्धिं नं अथ नमवदया वदिरुल ॥ ३२ ॥ द्यं सनं वयं पंचविनाधं वयन
 स्यनं ॥ यनेनाकुम्यमानवयं पंचाननं सनं ॥ ३३ ॥ कृपनिमनृद्धिजि
 यका कृत्स्नं धिथि विनाधरुलं सायनवदुनता कपूयसमूहपनिम
 नृद्धि यासिनं निपनिमवललायु अथ कृपनिमू अथ ननउय्यइयमा
 ल ॥ ३४ ॥ हित्वा हित्वा वकर्मा निरुत्वा चैव नमभाकं ॥ इत्ययं समतायं

३५

निपश्यनयनजवव ॥ ३४ ॥ मेवमवमक्यातः मर्ममर्मसमानयया
 कडा यडा कपया नडलि उरुनया यरुया अः नाकिपूडा धिथिं रगल
 यरुयडा ॥ ३४ ॥ चिक कलामनूष्या धं मग्वा धं मेथूनं कलं ॥ नसोरा
 ग्यक नमुी धं वस्तु धमातयो कलं ॥ ३५ ॥ मनूष्या क नरुलं नानावि
 तासू या क नरुलं कामडी दामि साया क नरुलं नरुगीक मेऽसतय
 क नरुलं तापयाय ॥ ३६ ॥ नृध्वज नामनूष्या नामन धावाजिनां कना ॥
 नृमेथूनकना सुी धं मग्वा नां मेथूनं कना ॥ ३७ ॥ मनूष्या काथकाय

तां सहसं गानका नया यध भागतिं ॥ यथापि भुवि निरुक्तं मय पात्रा यवा यग
 ॥ ५० ॥ अस्मीति नाप संग या दान सूर्य क या प म म डी न डी मली न या ला हा
 ती स वा द गु इ इ या नं म म य अ य डी ध न न म र्व डी रु ल डी सा धुं म र्व अ य डी
 ॥ ५१ ॥ अ स सं य कं द श ख न ४ वा ध मा या कि सा ध व ४ ॥ मार्ग र्व स्मि मि न स्य र्भ स
 मा पि वि स मा य नं ॥ ५१ ॥ अ सा ध डी संग या द श ख न सा ध पि नं अ सा ध रु लं र्व
 दू व ल स ल स दाय थं मा ० न डी द सां म डी द थं ७ थ री द सां नी म री द अ य डी
 ॥ ५१ ॥ उरु मे सहसं गानका नया नि स म न्त्र ति ॥ म दारु धा नि ध र्थं न गु धि

३२

ने ४ क स मे सह ॥ ५२ ॥ व द म न य डी ना प संग या दान सूरि रु का म लि म न रु य
 डी स्वा न डी ना प ह दान घा स स द्वा सी न स वा द डी न ध थं सा ध डी व लान म र्व
 कं सा ध रु लं ॥ ५२ ॥ किं क नि य नि सं य कं ४ स र्वा वा इ न नि क म ४ ॥ प म्भ म्भ रु ल
 म ध्य रु ४ क वा या ना म्भ नां ग न ४ ॥ ५३ ॥ सा ध डी ना प रु क मि ल य रु या डी कू या य
 थ डी २ स र्वा व नो ल न माल नं प या इ डी न डी द गु प थं स दानं रु क पा द म रु
 डी ध न न ध न न थ डी स र्वा व नो ल न माल ना डी सा ध रु य माल ॥ ५३ ॥ स र्क ना
 न स वं ध न म ध नि वं प्र मि धि तं ॥ म ध डी र म मा न री वि ध किं

या १

वासावनयादाडाइइधनीकष्टिवियाडीनेकप्रकावयःलाहवजगवाउ...
 वाकुमशुडीधननयडाइस्वरावनलाक॥१४॥पुरुकेस्ववयाविद्यापनहस्तपुव
 धनं॥कार्यकाननसंप्राफनसाविद्यानद्धनं॥१५॥सरुलीसरुकावाकगुविद्या
 वेवयालाहाननमीसवाकगुधनधनितावसुककवसवसमइधननवि
 यादकानुगलसमयधनदकथडीकठुतयमाल॥१६॥इनसहानिवमिश
 मिनिस्त्रहनिचवाधवा॥किंपयाइनकरुव्यंसर्वनानिस्त्रलानिव॥१७॥
 नापालसवाकमिप्रथिचिस्त्रहरावमइयासाधपनीइपयाइनइयायध

नननिस्त्रलधाय॥१८॥अनवांइमनूष्याधिइनसहस्त्रेववांधवा॥कारुवा
 लेष्यरुगश्चकार्यकालेपनिस्त्रति॥१९॥वनाइनसहाडास्वानःनापालवाक
 यासारुंमइसनासंगयाथंइयासंसडीकस्वकस्वयगुरुलाधननव
 र्थधाय॥२०॥पहाववनहीनस्यकर्महीनश्चयानन॥निनर्थधननाकस्य
 रुम्मान्याइसुयार्थ॥२१॥संसडीक्रयाज्ञानकर्ममइक्रमनूष्यधनितो
 व्यर्थइयडीधमिसनलालयाकार्यवर्थइयूडीनलिसचकनलूदाथंसिनि
 कनइयूडीइलं॥२२॥इगारुइंमपिधमिदम्यथा॥कलहस्तथा॥वलावा

निरुलंगानिप्रणमं मेघदंतन ॥ ३८ ॥ वाचसत्वाकमाषाणिनापिधुः ॥ नक्त
 निपुल्लाकसंथडासगा ॥ ३९ ॥ सपावधनय्यनानिरुलंगायथनियामहिमइ
 व्यर्थरुलं ॥ ४० ॥ निरुलंगायनेसवानिरुलंगानिनाहु ॥ ४१ ॥ दोषसंशुक्भी
 लस्याभ्रतिविप्रस्यनिरुलंग ॥ ४२ ॥ नृवदविचिषदक्रकपसीयाकंयादगु
 सवाज्जीकामसीक्रिदुक्रयाकंसवादीखनइक्रयाकंसवाज्जीसुमसडावा
 क्रनयाकंसवाधयतिस्ससवायधाननिरुलंगयु ॥ ४३ ॥ वलयकुलः
 जांघाहविनूपासपिकंनयका ॥ नृपस्त्रिनीननीवहुवेवाकंसदसकुल ॥ ४४ ॥

३०

शानीकनविवाहयायइलंथडासमानक्रलिङ्ककूलसऊमइडाक्रमालयान
 लाकसीनीचजानी ॥ ४५ ॥ व्याहायायमनेडावानमलाकसांथडाजानीमाल ॥ ४६ ॥ दि
 षादय्यमनंअक्रममिध्वादपिकांचनं ॥ ४७ ॥ नीवादय्यरुसांविशांछिनलंइस्कनाद
 पि ॥ ४८ ॥ अमनवसुकयानविषसवाकसांकायमालगुवर्ध्वसुकनालसवाक
 सांकायजीवसविशाधयागुक्रजानसवाकसांकायमालविनलयातइवनला
 यमाल ॥ ४९ ॥ कस्यदीखंकुलनास्त्रिवाधिनाकनपीदिन ॥ कनतयसनंयाफं
 भिजंकस्यनिनंतनं ॥ ५० ॥ स्यादसदाखमदयूनागीमइडासइथथीदइख

स्मृतलानः लक्ष्मीसूयाथडीरुडीसुदानं वं व व रुलथुनिसियमाल ॥ ३३ ॥ २४
 यस्मिगुरुक्षयस्मिनिगुरुक्षयपिजंडुषू ॥ सुकृमानस्यपक्षस्यनालंरुं वतिकर्कमं
 ॥ ३४ ॥ धसंसावसगुधीकयाकंडं दुयाकंदं भवं नं इगुनं इरुलं रयं ननायडीपन
 स्मानयावृइकोरुति४कावृधधं दीधमइगुममइवसुककुं मइ ॥ ३४ ॥ ३५
 मंमिभिनेवस्मिन्मंकीनरुजनं ॥ ३५ ॥ मंमंरुगुधि४गय्यावामं नंवाल
 रुषिर्न ॥ ३५ ॥ ३६ ॥ नतीविकुवेलसमिकृत्यमंमंरुलं इडडीजानयमंमंरुगुधीक
 ककलानमंमंरुगुवालषपतिववनमंमंरुगुधयतामंमंरुलं ॥ ३५ ॥ ३७ ॥ इल्ल

३५

प्राकृतिर्वाधीइल्लरुध्रुमीप्रउ ॥ इल्लरावसुहृन्नानीइल्लरुं ववनंययं ॥ ३७ ॥
 प्राकृगववनसियइल्लरुइल्लं कुमाधायोस्वामीलायं इल्लरुइल्लं सुदवीगु
 धीकाकलुलीलायं इल्लरुइल्लं प्रियववनलायं इल्लरुइल्लं ॥ ३७ ॥ ३८ ॥ नदीधना
 जाकृवीरुमसुनानीधं वपतिवता ॥ मनुस्वाधं नयाप्राकृदं मनांयप्रवि
 धम४ ॥ ३८ ॥ ३९ ॥ नदीनिर्धदकसमरुधजाकृवि४धयाः कृमनागडीधकमिसाम
 धसपतिवताकडीधकमनुव्यमधनाजानडीधकदसमधधमनाकागु
 कडीधकइलो ॥ ३९ ॥ ४० ॥ प्रयोवसमाकीर्णदासीदाससमाकलं ॥ ४० ॥ रायाविन

15

10

5

हनेपुंसां यथा नध्यंतथा गृहं ॥ ७८ ॥ अक्रमनुष्यां कायमृवाक्ययत्न बाधन
 सांवेनखामिंदयाडावाहसांस्तीमदनकाडागथवननरथंश्चक्रयाकेशलं
 नृत्तंनरुयानक ॥ ७९ ॥ सर्वस्वामिवनत्तानांस्त्रियावत्तमनरुनं ॥ गस्मा
 रुदर्थनिनतागांवयस्कोधनेनकिं ॥ ८० ॥ धसंमानसदक्षनत्रयामध्व
 स्तीवत्तज्जीमूडाधदधननथथीदवत्तमालगाडाभवगाधनकृयाया ॥ ८१ ॥
 कृस्तीहंयिकुद्वानिकूपयहान्यनकूलं ॥ क्रमस्तीहंन्यननांशं वोनधहान्यन
 ॥ ८२ ॥ क्वचिद्रक्रमिमानकूद्वरुनकलंकूपयमवानकूलनासयानमली

३३

कक्रमंयीननाजाकूलकलं वोनधयम्वल्लवानद्रव्यवासयानं ॥ ८० ॥ क्षिप्तंश
 षसहस्राक्षिगुष्मविशीनिवर्हणं ॥ गृहावानंरुगात्यनिर्मनरथापनिनासनं ॥ ८१ ॥
 मस्तीपिनिदाखदालंदालइः गुधरुलस्वनामाकृकृक्षलसागृहावानली
 नकउः कायमृवावृयकंउथडास्वामीडानापपानमालनउललं ॥ ८२ ॥ कव
 य४किन्नयभक्तिकिन्नरुद्रकिवायसा ॥ प्रमदाकिन्नकूर्वकिकिन्नवल्लमनि
 मयया ॥ ८३ ॥ पधुनकवीषिसेनकृगमखदः काखनकृमनडावधयइडा
 यनीसेनकृगमयाकः धनकाडापिसेनकृगमधडासकगांधडा ॥ ८४ ॥

15

10

5

१५
 १०
 ५
 ०

जपयाऊनं लया पूष ४ पिषु प्रयाऊनं ॥ हिन प्रयाऊनं मिदं सर्वमा सप्रयाऊ
 नं ॥ १३ ॥ स्त्रीरुलं पूषयानिमिहीन पूषरुलं पिषुयानिमिहीन मिषरुलं
 हिनयानिमिहीन भवता सकर्ता थडी २ निमिहीन रुली ॥ १३ ॥ समुद्राव
 नमारुमि ४ प्राकावावननं गृहं ॥ न नद्यावन न भद भाम्ब निशावन न भ ४ स्त्रि
 य ॥ १४ ॥ रूमीरुलं समुद्र भद संवाद कृ सप निशावन भद संवाद दसम
 प्राकानना कपूलं मिमा न रुलं वे विउनना कपूलं धन स रौ व रुली ॥ १४ ॥
 न गृहानि नवा भानि न प्राकावावन न रुका ४ ॥ न वं धाव द नैव व धावा स

३०

५
 ०

सिलाभ्वकूलस्त्रिय ४ ॥ १५ ॥ कुरुकवानला न कान कधायम रूप निषा
 न न न कामखु गालनं गालम पुलिदमील यादान रीदं व निद्रयाकानं
 वानला करुलं ॥ १५ ॥ नदीपातय न कुलं नानीपातय न कुलं ॥ नानीनां वन
 दीनां व सुष्ठु दललिगां गानि ४ ॥ १६ ॥ नदीन खसिधि कूटिकलं मिमान क
 कूटिकलं मिमायनी ३ खसीया ३ थडी व थडुय गुवान रुल थडी २ सखा
 व रुल ॥ १७ ॥ लना पारख्व सिमं व कं र य पारख्व सिमं र पं ॥ पारख्व सं पुत्रं
 जा विद्वं सुयं गिन सं स य ४ ॥ १८ ॥ गुषियाऊ ३ र क री न थ वि का न न य

निमनापडुवाडनमिहूनयनिमजडाखडीवाडाममाधपानलुखखन
 हिनीडीरुला॥११॥नेवपस्यतिज्ञातीध४कामांखभेवयस्यति॥नपम्यदिम
 दामरुहाभुर्थिदाघंनपम्यति॥१८॥रुमकावननंसखदकामसहुइवीक
 क्रनंसखदमरुउमलनंसखददागीननमखदयतिमनदाखमखदरुल
 धनकावननमय॥१८॥कीर्णमन्त्रंपसम्यंतिलुयांचगतजीवनां॥नहाप्र
 त्यागतंभूनंसम्यंचगृहमागतं॥१८॥पुनानुनृनपुनाक्षककलात
 हथवननत्यानकाडाडाक्रमियाः॥१८॥सथदयुसंवसाक्राधनंपमरु

३८

अयपक्राअय॥१८॥लक्रीलकुदाहीनेचकुलहीनसवखनी॥अयाध
 नमरुनात्रीतिनोवर्षतिवासव४॥८०॥लकनमइथासवाडकलक्रीही
 नकुलसवाडसवखनीविद्याकजातसडाडक्रमिसापर्वनसडागकगु
 धनसलोमलाकडल॥८०॥यस्यरायांविन्याक्रीकस्यवीकलरुषिया॥
 उरुवीरुनवादीचसाऊनानऊवाऊना॥८१॥ग्वक्रमनृययासीवानम
 लाकधीवीरुललाययलऊवायसवाययायकाडाधक्रमुकिथीअय
 कीधीक्रमुकिथीअयमख॥८१॥यस्यरायांस्वनृयानरुहानमधगमिनी

१५
 १०
 जायमवास्तकः इन्द्राय इन्द्रः सामिकः लिख्यः काचकः कयाममीहान्तः
 छिद्ययावर्तनं संस्मरवमस्य रुयमः ॥ ८३ ॥ अस्म्यावहवः ४५ प्रागयामि
 कायदिवुक्तं ॥ यमीनवास्वमेधननीलं वाचमस्तु ॥ ८४ ॥ अयालं का
 यम्यादलं सः कः गायानं मालः कः लागायानं साजः स्वमेधः कः यया
 तिग्ननलं वनं वज्रधर्मः ॥ ८५ ॥ एकनस्तु वक्तुं धनः कुमानेन वक्ति
 ना ॥ दक्षः नंदनं सर्वं कृपुं न कुलं यथा ॥ ८६ ॥ गदसिमाः मासमिदं
 ४०
 अमिननयाऽविलं धसिमानः दक्षवनेन पंथः मया कथं नाथं कुरुपु

५
 ०
 कनदककुलं वसनाभयायुती ॥ ८८ ॥ एकं नापि सुदुःखं पृथितं न सुगंधि
 ना ॥ वासितं नंदनं सर्वं सुपुं धकुलं यथा ॥ ८९ ॥ जमीनस्वातः स्वानं ह
 श्रीसंडमाः कुमानवनेन पंथः सुगंध्यातं धनाथं सर्जनसाधः कः सुपुं कः सन
 दककुलयातः सलायातं थकायुती ॥ ९० ॥ यस्य पुत्रवसाः लयाः स्यां हंदा
 न्गामिनी ॥ विरुवंधपि सुदुःखं स्वर्जनं स मेहीतलं ॥ ९१ ॥ ग्वक्रमन्य
 याकायः कः यपनिवा नपः नोथऽवस्यः सः कुलकलानथमध्याथः वीदः स
 यः हिदकनसं ॥ ९२ ॥ कलः ॥ कः स्याथनमः सः मधुलसं स्वर्गः ॥ ९३ ॥ यव

॥ कामपिदुर्वेस्य... ॥ १॥ गुणपाषाणकः ॥ नमिदुज्जुविस्वामः ॥ सारग्यायय
 निर्देति ॥ २॥ ॥ ग्वक्रवव्यावस्यस्योदकः ॥ अक्रकायभयः ॥ ग्वक्रववृद्धन
 कायपाभलपलं ॥ अक्रववृद्धनयः ॥ विस्वामः ॥ मित्रययथ ॥ अलिभवादक
 लीयय ॥ ३॥ ॥ यस्यजीवतिजीवंतिविप्रमिदुधवाधवा ॥ सरुलंजीवि
 मंतस्यत्रासेकः ॥ कीनेजीवति ॥ ४॥ ॥ ग्वक्रमनृषयाः ॥ गुनः ॥ मिदुपासा
 ॥ ५॥ ॥ नृषीतनसहीतनस्योदवाधं ॥ अक्रमाकः ॥ अयथमक्रकः ॥ अक्रमासमन
 ॥ ६॥ ॥ कः ॥ सकलं ॥ अक्रमाकः ॥ अयथमक्रकः ॥ अक्रमासमन
 ॥ ७॥ ॥ सजीव

॥ नीलुधंयस्ययस्यधर्मसजीवति ॥ १॥ ॥ गुधधर्मविहीनस्यनिरुलंनस्यजीवि
 तं ॥ २॥ ॥ ग्वक्रमनृषयाः ॥ कः ॥ गुधदतः ॥ धर्मदतः ॥ अक्रमाकः ॥ अयः ॥ गुधमः ॥ इ
 क्रधर्ममः ॥ अक्रमाकः ॥ अयः ॥ धर्मदतः ॥ अक्रमाकः ॥ अयः ॥ गुधमः ॥ इ
 माला ॥ ३॥ ॥ वावासनस्यमीयस्यरायानृषवनीसती ॥ लकीत्यागवनीय
 ससरुलंनः ॥ सजीवितं ॥ ४॥ ॥ ग्वक्रमनृषयाः ॥ ववनधालसासनस्यतिथ्यं
 ॥ ५॥ ॥ कलागधालसासनदनीशलद्वयधालसागयायदतधक्रमनृष
 मादयासादुलधाय ॥ ६॥ ॥ धर्मस्यविहीनस्यदिनंयानिविक्रियां ॥ स

लाहाका नवसु दास्यं वेव प्रजीया ॥ २३ ॥ धर्मं मइः सस्यं मइः मइः ॥
 क्रियादिनर्थार्थं नं नं कं चया डी सतथं थमनं कला डी सितिकं रु कथं
 सितिकं नंदी न डी नं ॥ २४ ॥ भद्रा नपि गुधवाद्या दावा वा वा गु या नपि ॥
 रुका रुकं च वा ग्रम नवा वा गु नृगे नवा ॥ २५ ॥ गुधया रं रुल सां मइ
 या कनं कं नमाल दाषया रं रुल सा गु नृया रं ताल नमाल रु डी मरु सया
 डी वृम यया य गु नृया रं धक मरु सां नं नम न डी ॥ २६ ॥ रुया रं वा नरु
 विद्या रुया रं धन सम्पद ॥ रुया रं या गभा रुदिः नत्या रं सिधिसम्पद

४२

॥ २७ ॥ विद्या लाय रुलं रुया रं सधन रुलं रुया रं सया गलायं रुया रं
 सभा रुलायं सिद्धि लायं धनं सकनं रुया रं सनमाल ॥ २८ ॥ नरु ना ४ य
 रं ना रं ना ४ नरु ना ४ सफ साग ना ४ ॥ मिदु दा रुक ना रं ना रं ना विस्वास
 घा रुका ४ ॥ २९ ॥ धर्मं मान स दक य रं नं म्पा रुम धुः स म्पुं म्पा रुम रु म्पा
 रुधया रु सुधाल सा मिदु डी रुया रुया क रु रुल डी रुया क रु विस्वास रं
 नया क रु धपनी म्पा रुधया ॥ ३० ॥ रुमि थि रं लि क रु रं व ना रु मि थि रु न
 रुथा ॥ रुलि ना रु नि न जान रु रु रु हि रु हि पु न रु पु न ४ ॥ ३१ ॥ पा रु न डी डी य

निमन्नामा नमामिमा नागागिं न धनं धनिमन् न इम इम इम गं वा न वा
 हकि २३ कं उध अम यं डी गु वं लं सं म व डी ॥ २५ ॥ रु कं वं न कं वं पा
 र्मे ४ क ६४ ग नं न पि ॥ कं वं म य कं वं पा र्मे क ६४ ग नं न पि ॥ १०० ॥ म
 रु म स्व या डी म न डी अ क यं रं नाल नं माल न डी गु रु क द या य माल पा
 न कं य र्थ य मं न डी म न डी सि य माल ॥ १०० ॥ ॥ ॥ ति न न कं सान म य
 ह द्वि नो य म न कं स मा र्क ॥ २ ॥ ॥ काले च नि पू ना सं धि ४ काले मि प्र च
 वि ग्र हा का र्य का व न मा श्री य कालं ऊ य नि प रि न ४ ॥ १ ॥ ग व व ल स ग य

४०

डी जा य माली डी ग व व ल सं मि न डी ल व य माली डी काल व या रु डी स न सि या
 डी काल ह नं य धि न न रु लो ॥ १ ॥ काल ४ य च नि रु मानी काल सं ह नं य रु ४
 न काल ४ रु कं रु डी ग र्हि ४ कालो हि इ न नि क्र म ४ ॥ २ ॥ ध मं सा व स रु क व रु
 क स का नां काल न न य डी रु न क काल नं पा य डी न रु रु ल डी य रु रु ल न
 वा य रु रु क काल न काल ना क पु य म डी डी रु ल ॥ २ ॥ काला रु लो ह नं वी जं
 रु लं काला रु व रु नो काला रु व रु नं ४ धिं पू न कालो हि सं ह नं ना ॥ ३ ॥ पु
 मा न य रु नि डी रु रु ल स य मि वृ य ध नं स क नां व ल कालो या रं रु

15

10

5

लकृत्वतिरुनसकतांतिंयंमालधुननसमयधयागुनतातगव
घदीसोरुमिलायधवदाकांनलमानताशासर्वंसंरुलनकालरुमाकालं
मरुनना॥४॥कथनयंमकतांकालनमाचकु
रुमीलंरुसवन्दसुयधुनसकल्यकालनरुतकुधुननकालनडीध
रुलं॥४॥किंकनिष्यतिवकावरुनायधनवृधुन॥नमरुंयनकाय
मनरुका४किंकनिष्यति॥४॥कदाकथायगुखयाकुसयमयाकथासु
मथलथसकाकक्रयाकुप्रयागुनगरथमानागयादमसधवीयायम

४४

इथंकुसंसडादसितिकनंडादरुलना॥४॥कदलीवनमधुहावकिर्मन्दपना
कम॥४॥अविंवकजनरुनगुधवाकिंकनिष्यति॥३॥कलीमायावनयाद
यूसवाडगुमियावलकुंसइधनाथंविंवकमइयनिथसगुधीकक्रकुप्रथ
जनकुसंसडादधुनथसतालनमाल॥३॥पलयरुिचमर्यादरुवकिकि
लसागन॥४॥सागनारुदमिक्किपलयपिनसाधवा॥१॥पलयकालम
सागनसमृद्धसगुलिंनयकाडाडीअयगुदमुनरुलंरुधनंसागनरुद
रुलंसांपलयकालसंसाधजनरुकरुयमइथमनंयानयादसुवर्जडादीध

15

10

5

रुक् ॐ कथा क कथा पनी ल न नूप या इ रुक् ॐ कथा क ख व न क ल या इ रुक् ॐ
 कथा य डी न य सी ला क न स्व री या ॐ कथा य डी ॥ १३ ॥ जति क स न य दु व
 वा तिलो रु न य स खं ॥ प न पी दा व डा व रुः ने व सा ध ष वि य न ॥ १४ ॥ जति
 क स या ड ड व द य क न ती ला रु या ड स ख न वा नः मे व या न इ र व वि य उ वा
 या नः ध न स्व ता सा ध य नि स् क म इ ध न न मे व या उ य का न या क क सा ध ष य
 ॥ १५ ॥ ज स कं ना न रु स्या इ न का र्यं ने व का न य न ॥ स्व ल्य का र्यं न क र्या चि
 नि रू लं ने व स व य न ॥ १६ ॥ इ नी क स न य न ध मे न म रु उ का ज न र

या य म म म म म डी रु क म डी रु क म या क नि क नि क रु ल म इ क म
 या कः ध न इ नी या ल क न रु ल ॥ १७ ॥ मे ले मे ले न मा मि कं मो कि कं न ग ऊ ग
 ऊ ॥ सा ध वा न हि स र्व व न न न व न व न ॥ १८ ॥ प र्व ग य नी कं म धि क म इ कि
 सि क य नि क ग रु मा म म इ व न य नि कं श्री ख धु मा म इ ध ना थ्यः सा धू क न व
 या क स क लि नं म ड ॥ १९ ॥ य न का र्यं षू रु का सा ख का र्यं डि प्र सा ध य न ॥ स
 रु का र्यं षू नि रू ली ना जा का र्यं षू वि क मा ॥ २० ॥ मे व या क स इ कि इ यः थ
 डी क स मं व व यः पा म नि य या क सः रि न क वा न ना जा या क सः न मा सा क

...मालभुतेसायाप्रमानरुलं पारवंडीरुयमरुडी॥२०॥ ऊललखिवनीवानांयत्
 नरुचरुयम॥ ऊचलमपिसाधुनांसिलालखिवनिरुति॥२१॥ नीवजातियाकालं
 स्वसंवायाअंरुसियमड॥ साधुजनक्रयाक्रापर्वतथंलोहसयायागुः
 खलअंसदानंलिबडरुडी॥२१॥ मरुतामापदसाकेमरुतामेवसंपद
 ॥ २२॥ ननषुमनूषुनापदोनेवसम्पद॥२२॥ धसंसावसवजवजमन
 नननीवजवजकडुंरुडीविक्किधरुगविपमनूषुपनीरुतीरुक
 विरुडरुडीगथसंपतिरुधविपतिगनीपयासंपलिमइविपतिमड

४८

दुष्यतिचार्कनवरुसषधचडमा॥ विष्णु४समनधमाडध
 ...कनसंपूर्णो४॥२३॥ ऊकपातनमहादवसंतीखयायमनविया
 डवडमासंताखयायवाववावसमनधयाडाडीविष्णुसंताखयायनडीध
 डयनिरुसाथडीऊलायाडीसंताखयाय॥२३॥ लेषक४पाथकरुवेवय
 वानधामुचिनका॥ सध्वयसनिनामूरा४क्रयावकध्वयधुना॥२४॥ वी
 यगुक्रयावकक्रया०यावकक्रनामुसडीक्रयावसडीक्रयधुनक्रमूख
 क्रध्वयनीसकल्यं३४खीअयववयावसडीनमाल॥२४॥ वेहियंमस्ववा

निशं नाऊ सवा नपा धनं ॥ धीना भवत्तात्रिकूर्वन्नि कामना कृषिवाहका ॥ २२ ॥
 वडा २ कायाय मताऊन वनी जाल शय नाजाया सवा या न पावन मत्त पम्पावो
 वडा २ कायाय मताऊन वनी जाल कम्पलं मुखं कानन पतिमन व कायाय वडा २ का
 कायाय वडा २ ॥ २३ ॥ वक्र नार्था वानि कृषि विद्यार्थी ववरु धर्म ॥ मरु का
 लमयार्थी मानार्थी नृप नो वरुता ॥ २४ ॥ धनं कृया क कन वन ऊमडी
 नृप नो वरुता ॥ २५ ॥ कृया क कन वन ऊमडी नृप नो वरुता ॥ २६ ॥ कृया क कन
 वन ऊमडी नृप नो वरुता ॥ २७ ॥ कृया क कन वन ऊमडी नृप नो वरुता ॥ २८ ॥

॥ २९ ॥ मुखं ध्याया कृषि न कं माल न मालं ज्ञाननियान न वडा पसवव
 ॥ ३० ॥ उमलेन कय काडी वियूडी गल्यजा खिद्युथ स कथन कडी थंय
 कायाय वडा २ ॥ ३१ ॥ सूर्य ४ कृव ४ खन ४ कृव ४ सूर्या कृव नन ४ खल ४ ॥ मरु
 वधिव सार्य खन के नाप ममति ॥ ३२ ॥ सूर्य ध्याया कृषि क वधु न मुखं ध्या
 या कृषि क सूर्य या सिन वधु न कृषि क गल्य थाल सा सूर्य या न मरु वन य उम
 सल न वधु या यडि डी नृप न कृषि क न मरु डी ॥ ३३ ॥ हलि हल सल सल
 सल हल न वाजिनं ॥ भंगि नाद सल हल न ४ द सल गान इर्ज नो ॥ ३४ ॥ किमि

काशकुया अशयूडा ॥ ३१ ॥ षष्ठी कंकल कंदाघात्र नीतिमधुपिंगली ॥ मन
 कानवखजं व कृकृस्यां नं नविचन ॥ ३२ ॥ यलयाकना ३० दा विइमियू
 भिवायाकना २० दा षड कानखलयाकसगङ्गिता १०० दीघइस्वाचया
 कंदाघयाथाममइधर्ममियमाल ॥ ३३ ॥ छानकुरुइवावात्रमियस्त्र
 हंयत्रिचकन ॥ विस्वामसमयकालविनासमूपेगङ्गति ॥ ३४ ॥ नदी
 सवसमइक्रववममलीककायमलीकक्रथथीकक्रमिययाकंमहः
 सचमालनमालधडा नाधविस्वामसयोगसाननाननामभरुयूडा ॥ ३५ ॥

३२

मइनेवमइहंतिमइनाहकिदानुधं ॥ नासाधमइनाकिक्किगस्याही
 कृतनामइ ॥ ४० ॥ नायडावसुकननायडां कृकंमाचकदयूडा नायू
 अगुवसुकनं कृकंमयाकधनननायडागुवसुक नतीनकृक
 मीऊडाहली ॥ ४१ ॥ वनंपकृलिकावकिर्दहमूलानिनकृति ॥ समूलमूम
 मूलयनिमायाधामइसीरुलं ॥ ४२ ॥ वनमइडागुमिनदकुरुसयाद
 नडाकृथ दंहाकृलदलंखयासमूरडायाडामिमायाचयाहं नायंला
 नहाकधननरतीमीतलधनायडागुलंखकृकधय ॥ ४३ ॥ लवनामा

वलीवर्द्धकन्याववह्मस्विधि॥ उषवाधीचक्राधिह्वनयविवर्द्ध
 यमा॥४२॥ समुद्राः पुष्पदाहालज्ज्वालेनवद्राययडाः कर्कन्त्यामययडाः उरु
 सिधेनडाः सपत्नियममडाः याननं गालनमाल॥४२॥ नहस्पुरुदं मेधुनं
 यनदाघानूकिरुनं॥ कलहप्रकृतिं स्वेवह्वनयविवर्द्धयमा॥४३॥
 इनेयालदखडाः कामकाः कामकाः यारवडाः कक्रमवयादीषखडाः कक्रम
 पुष्पकमीलीवडाः यनयतीयाननं गालनमालविस्वाममडाः कल॥४३॥
 कलहयानंगडाः मरुगभवस्वेवप्रसन्निका॥ मथवाकिपूनीवासी ह्वन

५३

कामकाः यारवडाः कक्रमवयादीषखडाः कक्रम
 पुष्पकमीलीवडाः यनयतीयाननं गालनमालविस्वाममडाः कल॥४३॥
 कलहयानंगडाः मरुगभवस्वेवप्रसन्निका॥ मथवाकिपूनीवासी ह्वन
 कामकाः यारवडाः कक्रमवयादीषखडाः कक्रम
 पुष्पकमीलीवडाः यनयतीयाननं गालनमालविस्वाममडाः कल॥४३॥
 कलहयानंगडाः मरुगभवस्वेवप्रसन्निका॥ मथवाकिपूनीवासी ह्वन

यमिसातसमामनायायथमीलनमाल॥५०॥ नगकुरुद्विस्वामंनव
 र्याङ्कुलविग्रहं॥ शाननापमथाकाधमिदयेननकावय॥५१॥ इत
 यविष्मसमसडीनमडीकुलकपनयायमनडीथमनकाधयायमनडी
 निरुल॥५२॥ योयायमनयतियातमाधमननासकयूडी॥५३॥ कनयमं
 लीनानंविप्रंचवृषलीपतिं॥ प्रवासिनं वनाडुष्टंनमवकिसदावृष
 ॥५४॥ कनमसवाकमंयीयानाकनसुलिदयालालनवाकधपनदस
 महुवास्याककवनालप्रसूडीकथूतियासवायायमनडी॥५५॥

५६

कन॥ नास्तिविस्वासंकुलर्यायांकुनानगि॥ कनाकनास्तिनिर्वृत्तिरुद
 सनास्तिजीविनं॥५६॥ कनंयीयाकविष्मसमडकुलीयाकप्रीतिमडमली
 ददमसम्यायमनडीमलीदनाससडीनमनडीथूतिसियमाल॥५७॥ ना
 स्तिस्त्रयंसदावीनेनास्मववृषलीपती॥ मयवसुददनास्तिशूनकाल
 उयानहि॥५८॥ मूयाकववलसंसत्यमडसुवीनीयापनियाकंसविमड
 धनीककयाकलिदविलमडकुडालयाकधनस्वतामडइली॥५९॥ दोवि
 ओविप्ररुतिमदमथार्गुनसिषया॥६०॥ कनीनेवगकव्यंरुनस्यवृषन

वा॥ॐ॥ वा क्रनमि क्रडा वा क्रनडाणि अ नि क्रन वृत्तु वृत्ति मञ्जरा २ मा ३ म
 हादवडी धनडा नि क्र २ स या द धनडा नि म नडा डी द सा नमंगर २ २ ३ ॥ ३ ॥
 लोकयात्रा रं यं लर्जा दा क्रिद त्या गभी गलं ता ॥ यं व य द न वि य क न रु यो न य
 संहि ति ॥ ॐ ॥ लोक डात्रा रं यं लर्जा दा क्रिद त्या गभी गलं ता ॥ यं व य द न वि य क न रु यो न य
 न ता स या य म न डा नि स या त र २ २ ३ ॥ ॐ ॥ नां रु नं शु क्र ना या
 कि न र्वे क ल्यं व रु भू तं ॥ न ता वी लि न वृ दि ४ स्या न म र्व ४ सं मृ तं व द न ॥ ॐ ॥
 लं रु न र्वे क ल्यं व रु भू तं ॥ न ता वी लि न वृ दि ४ स्या न म र्व ४ सं मृ तं व द न ॥ ॐ ॥

ॐ ३

हि न म रु डा म र्व न सं स्मृ त ज्ञा य म र्व ध नं रु स क व लु क धा य ॥ ॐ ॥ म
 ध र्म षा ग्नि र्म ष र्व वा धि र्म ष र्व र्व व च ॥ पू न र्व र्व य नं य स्मा रु स्मा रु यं
 न का न य न ॥ ॐ ॥ ध ति या स ष मि या स ष र्म ग या र्म ष ध नं यो म र्व लो न
 क म न डा लो न कू सा ह नं व ध य रु यू डा ध नं स ष म ल न क दू न का डा न य
 माल ॥ ॐ ॥ उ द ग ४ क ल र ४ क धु र्म न म य य न लि य ४ निं डा मे थू न माल
 सं स व नं न हि व र्व नं ॥ ॐ ॥ ह ता स च्चा स च्चा द य ल्ता य रु ल ल्ता य ध न
 न लो डी लो डी न द न वी न का म क्री डा उं या य न ल मि वा य ध न या र्म

15

10

5

असवलपानं वधयदुं रु यो धनं सवलपमकड ॥ ३० ॥ यवदायाध
 वयनिवादं पनस्यव ॥ यनिहा संगु नृहानयलन ४ यनिवर्जय ॥ ३१ ॥
 वयासु मवयाधनमेवयासं गु नृपनिथमहिम्याय धनता ४ कलयादं माल
 ममाल ॥ ३० ॥ यनाककार्यहं नालं प्रत्यक्रियवादिनं ॥ वयं यल्लादमं मिदं
 विस्वकूरुयथासुखं ॥ ३१ ॥ नथकासं सनकूरुयवर्जय ॥ ३२ ॥ यथिदक
 मिदयान नालनमाल ॥ सद्यनसइइतया धं घाथसयाप कूरुयवर्जय ॥ ३३ ॥
 कूदसंचकूरुहं व कूरुयार्थी कूनदी तथा ॥ कूदसंचकूरुयं ववर्जयत्यधिन

३०

सदा ॥ ३२ ॥ मलीददममलीदवापाल मलीदसु मलीदतिथ मलीददवम
 लीदनसा धनिपधितपनी सनसदां नं नालनमाल ॥ ३२ ॥ उर्वसी यदिनाप
 नलं लायदिनिलारुमा ॥ मवानी मनेकास्वेव वर्जनी याथपनसुय ॥ ३३ ॥
 उर्वसी धयासं लंधाया क निलारुमा धया क रम नीधया क मनेकाध
 धया क धपनिरूपसना ॥ ३४ ॥ लिरगदसां मवयामिसा मालनमाल प्रहं
 गयानसाधु उऊ मसइइव कूरुयं पनक मसननकडी नीडी ॥ ३३ ॥ यषुवा
 र्यषुविशेष सहसापिरुलादय ॥ विपनिषु महादीखापनिवर्जय वकून

15

10

5

निम्नः कथा ॥ १३ ॥ नक्रुयुष्यधेवदा नानीधारुधंयनि ॥ शिवा ॥
 आसीलं सर्वं यरुषनं ॥ ११ ॥ नक्रुयातिमाचद्रमा ॥ शानि यातिमा ॥ १३ ॥
 ब्रुवपिथिवीयातिमा ॥ नाजादकलोकयातिमा ॥ शीलसुलानुहलं ॥ ११ ॥ महा
 नाचनितं ॥ मुष्टं ननीवामा ॥ नमूरुमं ॥ कंसा नोचनधघाट ॥ कानियस्यवरुषधं
 ॥ १८ ॥ तडीधदक्रनयातसा ॥ मरीदसाहीद ॥ विकिधनक्रनयतसा ॥ माययात
 साहीदयातसा ॥ मरीदगर्थधलसा ॥ ग्रीहपूनयासनयादान ॥ कालीनागयास्व
 लाकथं ॥ १८ ॥ मुविर्हनिगततायं मुचिनानीपतिवता ॥ मुचिः कंसकरी

नाजा संक्राषिवाक्रनं मुचि ॥ १२ ॥ रुमिसकाकुरुं धमवि ॥ पतिवता ॥ रुमिसा
 विः कमाधक्रनाजा मुचि ॥ सकोधक्रधमुचि ॥ धनं उलाता ॥ लसा ॥ रुमविधाया ॥ १३ ॥
 मुविर्हमिस्तिनतायं ॥ यगलेखा नविधते ॥ लेखसुनं पनिय ॥ कानेसुने मुचि
 रुचिः ॥ ६० ॥ गुगुथसुत्रदिकं लेखमूना ॥ वीने ॥ उगुले ॥ वामदे ॥ अदिकं लेख
 काकयुगुचिधयवतं सुचि ॥ मिनायासं मुचि ॥ तिथिसमूद ॥ अति ॥ मुचिध्या ॥ ६० ॥
 रुमनासुधने कां संतां प्रमा प्रमा सुद्यते ॥ नक्रुसां मुच्यते नानी ॥ नदावेगुनसुध
 तं ॥ ६१ ॥ नाचिनदयानं कंससुचि ॥ याडे ॥ नक्रुयानं सजलसुचि ॥ कंससुचि

गायसाहसकं वलं नृनस्य साहसं ॥ ८३ ॥ लखस्य लखानस्य
 मरुती प्रवा क्रुधमालाहलं नयनरुक्रुधमालाहलं ॥ ८४ ॥ यदी सवंच विप्राहं
 लिपान् या घालनसाहलं ॥ ८५ ॥ यदी सवंच विप्राहं लखानां कलह
 सवंच ॥ पुनपासवंच नात्री पामूनां व ॥ नालसवंच ॥ ८६ ॥ ज्ञानपनीमरु
 यायस वसहलो मूरवपनिल्लायस वसहलो मिमायनिमलनाया
 दुवस यमूनाती या घावस नृमी वनहलो ॥ ८७ ॥ नृमिहा वरुलं वेदः
 भीलवहिरुलं प्रमं ॥ वनिपूवरुलानात्री दहहकहलंधनं ॥ ८८ ॥ वदस

यापाहलजहयाय सा मुसयायाहल भीलसखला वरीनक कलानकाय
 याहल कामकी जयाय कायमूवादयकधनदयकायाहल दानराग
 वाया ॥ ८९ ॥ नृमिर्दहतिगाधन मुर्थादहतिवस्मिहि ॥ नाजादहतिदधुन
 नयसा वा क्रुधोदहत् ॥ ९० ॥ नृमिर्ननामनदाहयाक सूर्यया मदनदा
 हयाक नाजानदधुयो दाडी दाहयाक वा क्रुधनामघनदाहयाक ॥ ९१ ॥
 मनसाकं मंतमा संकनधमं थितंदधि ॥ नर्कयादककर्वि ॥ पुनं रागमा
 सरुक्रुनं ॥ ९२ ॥ मुप्लापुलागी कउला सिकयाला बालाया विवित्रि

४८ पाना

यापुष्टिनिन्दा लोपदीनाम अद्वयसुधूषिता यानि ॥ १० ॥
लक्ष्मीमाला ॥ ११ ॥ नहन्त्या नमदि ॥ १२ ॥ यद ॥ १३ ॥
इह ॥ १४ ॥ सधूर्ति ॥ १५ ॥ ॥ १६ ॥ ॥ १७ ॥
तकमइस्या करुणयं मइ धूमिलालासा लाजयमती ॥ १८ ॥
नीपूषलाकधका ॥ १९ ॥ नमान्तरु ॥ २० ॥ ॥ २१ ॥
तामिनिर्दिनिरुमहाहला ॥ २२ ॥ लानया ॥ २३ ॥
मर्द्धायाखनंदामइ ॥ २४ ॥ नभालसा ॥ २५ ॥

३४

४